

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	माघ 10, मंगलवार, शाके 1945-जनवरी 30, 2024 <i>Magha 10 Tuesday, Saka 1945- January 30, 2024</i>	

विधि (विधायी प्रारूपण) विभाग

(ग्रुप-2)

अधिसूचना

जयपुर, जनवरी 30, 2024

संख्या प.2(4)विधि/2/2024.- राजस्थान राज्य विधान-मण्डल का निम्नांकित अधिनियम, जिसे राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 29 जनवरी, 2024 को प्राप्त हुई, एतद्वारा सर्वसाधारण की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है:-

राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2024

(2024 का अधिनियम संख्यांक 1)

(राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 29 जनवरी, 2024 को प्राप्त हुई)

राजस्थान माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 को और संशोधित करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के पचहत्तरवें वर्ष में राजस्थान राज्य विधान-मण्डल निम्नलिखित अधिनियम बनाता है:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.- (1) इस अधिनियम का नाम राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2024 है।

(2) यह 1 अक्टूबर, 2023 को और से प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

2. 2017 के राजस्थान अधिनियम सं. 9 की धारा 2 का संशोधन.- राजस्थान माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का अधिनियम सं. 9), जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है, की धारा 2 में,-

(क) विद्यमान खण्ड (80) के पश्चात् और विद्यमान खण्ड (81) से पूर्व, निम्नलिखित नये खण्ड अन्तःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात्:-

“(80क) “ऑनलाइन गेम खेलना” से इंटरनेट या किसी इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर गेम की प्रस्थापना अभिप्रेत है और इसमें ऑनलाइन धनीय गेम खेलना भी सम्मिलित है;

“(80ख) “ऑनलाइन धनीय गेम खेलना” से ऐसा ऑनलाइन गेम खेलना अभिप्रेत है, जिसमें खिलाड़ी किसी आयोजन में, जिसमें गेम, स्कीम, प्रतिस्पर्धा या कोई अन्य क्रियाकलाप या प्रक्रिया भी सम्मिलित है, धन या धन के मूल्य, जिसमें आभासी

डिजिटल आस्तियां भी सम्मिलित हैं, को जीतने की प्रत्याशा में, धन या धन के मूल्य का संदाय या जमा करता है, जिसमें आभासी डिजिटल आस्तियां भी सम्मिलित हैं, चाहे इसका परिणाम या प्रदर्शन कौशल, अवसर या दोनों पर आधारित हो या नहीं, तथा चाहे वह तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन अन्यथा अनुज्ञेय हो या नहीं;”;

(ख) विद्यमान खण्ड (102) के पश्चात् और विद्यमान खण्ड (103) से पूर्व, निम्नलिखित नया खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(102क) “विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावा” से-

- (i) दांव;
- (ii) कैसीनो;
- (iii) जूआ;
- (iv) घुड़दौड़;
- (v) लाटरी; या
- (vi) ऑनलाईन धनीय गेम खेलना;

में अंतर्वलित या उनके माध्यम से अनुयोज्य दावा अभिप्रेत है;”;

(ग) विद्यमान खण्ड (105) के अन्त में आये विद्यमान विराम चिह्न “;” के स्थान पर विराम चिह्न “:” प्रतिस्थापित किया जायेगा और इस प्रकार संशोधित खण्ड (105) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायेगा, अर्थात्:-

“परंतु कोई व्यक्ति, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों के प्रदाय की व्यवस्था या ठहराव करता है, जिसमें वह व्यक्ति भी सम्मिलित है, जो ऐसे प्रदाय के लिए डिजिटल या इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्म का स्वामी है या उसका प्रचालन या प्रबंधन करता है, उसे ऐसे अनुयोज्य दावों का प्रदायकर्ता समझा जायेगा, चाहे ऐसे अनुयोज्य दावे उसके द्वारा या उसके माध्यम से प्रदाय किये जाते हों और चाहे ऐसे अनुयोज्य दावों के प्रदाय के लिए धन या धन के मूल्य, जिसके अन्तर्गत आभासी डिजिटल आस्तियां भी सम्मिलित हैं, में प्रतिफल, उसको या उसके माध्यम से संदत्त या अंतरित किये जाते हैं या किसी भी रीति से उसको दिये जाते हैं, और इस अधिनियम के समस्त उपबंध विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों के ऐसे प्रदायकर्ता को लागू होंगे, मानो वह ऐसे अनुयोज्य दावों का प्रदाय करने के संबंध में कर का संदाय करने के लिए दायी प्रदायकर्ता हो;” और

(घ) विद्यमान खण्ड (117) के पश्चात् और विद्यमान खण्ड (118) से पूर्व, निम्नलिखित नया खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(117क) “आभासी डिजिटल आस्ति” का वही अर्थ होगा, जो उसे आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 43) की धारा 2 के खण्ड (47क) में समनुदेशित किया गया है;”।

3. 2017 के राजस्थान अधिनियम सं. 9 की धारा 24 का संशोधन.- मूल अधिनियम की धारा 24 में,-

(क) खण्ड (xi) के अंग्रेजी पाठ के अंत में आये विद्यमान शब्द "and" को हटाया जायेगा; और

(ख) खण्ड (xi) के पश्चात् और विद्यमान खण्ड (xii) से पूर्व, निम्नलिखित नया खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(xiक) भारत से बाहर किसी स्थान से, भारत में किसी व्यक्ति को ऑनलाइन धनीय गेम खेलने का प्रदाय करने वाला प्रत्येक व्यक्ति; और”।

4. 2017 के राजस्थान अधिनियम सं. 9 की अनुसूची 3 का संशोधन.- मूल अधिनियम की अनुसूची 3 के, पैरा 6 में विद्यमान अभिव्यक्ति "लाटरी, दांव और जुआं" के स्थान पर अभिव्यक्ति "विनिर्दिष्ट अनुयोज्य दावों" प्रतिस्थापित की जायेगी।

5. संक्रमणकालीन उपबंध.- इस अधिनियम के अधीन किये गये संशोधन दांव, कैसीनो, जूआ खेलने, घुड़दौड़, लाटरी या ऑनलाइन गेम खेलने को प्रतिषिद्ध, निर्बंधित या विनियमित करने के लिए उपबंध करने वाली तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेंगे।

6. निरसन और व्यावृत्तियां.- (1) राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2023 (2023 का अध्यादेश सं. 1) इसके द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश के अधीन की गई समस्त बातें, कार्यवाइयां या किये गये आदेश इस अधिनियम के अधीन किये गये समझे जायेंगे।

ज्ञान प्रकाश गुप्ता,
प्रमुख शासन सचिव।

**LAW (LEGISLATIVE DRAFTING) DEPARTMENT
(GROUP-II)**

NOTIFICATION

Jaipur, January 30, 2024

No. F. 2(4)Vidhi/2/2024.- In pursuance of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to authorise the publication in the Rajasthan Gazette of the following translation in the English language of the Rajasthan Maal aur Seva Kar (Sanshodhan) Adhiniyam, 2024 (2024 Ka Adhiniyam Sankhyank 1):-

(Authorised English Translation)

**THE RAJASTHAN GOODS AND SERVICES TAX (AMENDMENT) ACT, 2024
(Act No. 1 of 2024)**

(Received the assent of the Governor on the 29th day of January, 2024)

An

Act

further to amend the Rajasthan Goods and Services Tax Act, 2017.

Be it enacted by the Rajasthan State Legislature in the Seventy-fifth Year of the Republic of India, as follows:-

1. Short title and commencement.- (1) This Act may be called the Rajasthan Goods and Services Tax (Amendment) Act, 2024.

(2) It shall be deemed to have come into force on and from 1st October, 2023.

2. Amendment of section 2, Rajasthan Act No. 9 of 2017.- In section 2 of the Rajasthan Goods and Services Tax Act, 2017 (Act No. 9 of 2017), hereinafter referred to as the principal Act,-

(a) after the existing clause (80) and before the existing clause (81), the following new clauses shall be inserted, namely:-

“(80A) “online gaming” means offering of a game on the internet or an electronic network and includes online money gaming;

(80B) “online money gaming” means online gaming in which players pay or deposit money or money's worth, including virtual digital assets, in the expectation of winning money or money's worth, including virtual digital assets, in any event including game, scheme, competition or any other activity or process, whether or not its outcome or performance is based on skill, chance or both and whether the same is permissible or otherwise under any other law for the time being in force;”;

(b) after the existing clause (102) and before the existing clause (103), the following new clause shall be inserted, namely:-

“(102A) “specified actionable claim” means the actionable claim involved in or by way of-

- (i) betting;
- (ii) casinos;
- (iii) gambling;
- (iv) horse racing;
- (v) lottery; or
- (vi) online money gaming;”;

- (c) in clause (105), for the existing punctuation mark “,” appearing at the end, the punctuation mark “:” shall be substituted and after clause (105) so amended, the following proviso shall be added, namely:-

“Provided that a person who organises or arranges, directly or indirectly, supply of specified actionable claims, including a person who owns, operates or manages digital or electronic platform for such supply, shall be deemed to be a supplier of such actionable claims, whether such actionable claims are supplied by him or through him and whether consideration in money or money's worth, including virtual digital assets, for supply of such actionable claims is paid or conveyed to him or through him or placed at his disposal in any manner, and all the provisions of this Act shall apply to such supplier of specified actionable claims, as if he is the supplier liable to pay the tax in relation to the supply of such actionable claims;” and

- (d) after the existing clause (117) and before the existing clause (118), the following new clause shall be inserted, namely:-

“(117A) “virtual digital asset” shall have the same meaning as assigned to it in clause (47A) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (Central Act No. 43 of 1961);”.

3. Amendment of section 24, Rajasthan Act No. 9 of 2017.- In section 24 of the principal Act,-

- (a) in English version of clause (xi), the existing word “and” appearing at the end, shall be deleted; and
- (b) after clause (xi) and before the existing clause (xii), the following new clause shall be inserted, namely:-

“(xia) every person supplying online money gaming from a place outside India to a person in India; and”.

4. Amendment of Schedule III, Rajasthan Act No. 9 of 2017.- In Schedule III of the principal Act, in paragraph 6, for the existing expression “lottery, betting and gambling”, the expression “specified actionable claims” shall be substituted.

5. Transitory provision.- The amendments made under this Act shall be without prejudice to provisions of any other law for the time being in force, providing for

prohibiting, restricting or regulating betting, casino, gambling, horse racing, lottery or online gaming.

6. Repeal and savings.- (1) The Rajasthan Goods and Services Tax (Amendment) Ordinance, 2023 (Ordinance No. 1 of 2023) is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, all things done, actions taken or orders made under the said Ordinance shall be deemed to have been done, taken or made under this Act.

ज्ञान प्रकाश गुप्ता,
Principal Secretary to the Government.

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।